मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 32, मुंबई, शुक्रवार, 12 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

नागपुर के बाद महाराष्ट्र के और शहरों में भी जल्द लॉकडाउन!

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिए संकेत

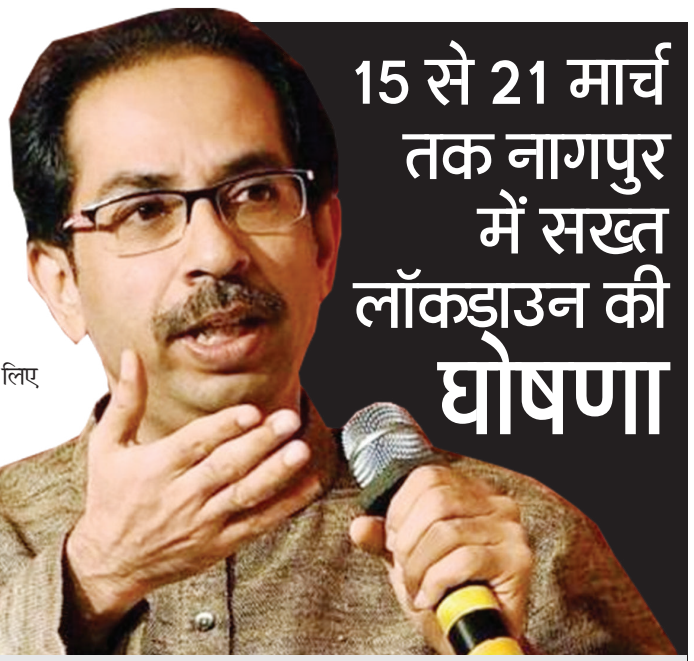

15 से 21 मार्च तक नागपुर में सख्त लॉकडाउन की घोषणा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर कोरोना वायरस का कहर बढ़ता जा रहा है। राज्य में बुधवार को कोरोना वायरस के 13,659 नए मामले सामने आए जो इस साल एक दिन में सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही यहां मरीजों की कुल संख्या 22 लाख 52 हजार 57 हो गई है। तेजी से बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए नागपुर में एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन लगा दिया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

लॉकडाउन लगाने से पहले होगी अधिकारियों की बैठक

गुरुवार को 'कोवैक्सीन' टीका लगवाने के बाद उद्धव ठाकरे ने कहा, महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में कोरोना वायरस के संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए कड़ाई से लॉकडाउन लगाया जाएगा। लॉकडाउन के उपायों की घोषणा करने से पहले सरकार अधिकारियों के साथ विशेष बैठक करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों से मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का पालन करने और अनावश्यक रूप से घूमने से बचने का आग्रह कर रही है।

महाराष्ट्र : टीकाकरण केन्द्रों को 24 घंटे, सातों दिन काम करने की मिली अनुमति

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में टीकाकरण अभियान को गति देने के लिये टीकाकरण केन्द्रों को पर्याप्त कर्मी होने पर 24 घंटे, सातों दिन काम करने की अनुमति दे दी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

CLUB BOMBAY SHEESHA SKY LOUNGE
में खुलेआम उड़ाई जा रही है कोरोना गाईडलाईन की धज्जियां

इस हुक्का लांज व पब के संचालक का कहना है कि जुहू पुलिस व मनपा से हमारी बहुत अच्छी सांठगांठ है, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

पूरी रात धड़ल्ले से चलता है यह हुक्का लाउंज व पब

मुंबई हलचल/संवाददाता
मुंबई। ए बी नायर रोड, होरिजन होटल के पास, जुहू चर्च के सामने जुहू पुलिस स्टेशन के अंतर्गत 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' में महाराष्ट्र सरकार व मनपा के द्वारा जारी की गई कोरोना गाईडलाईन की खुलेआम धज्जियां उड़ाईजा रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जोन-9

पुलिस उपायुक्त से अपील है कि जुहू पुलिस स्टेशन के अंतर्गत CLUB BOMBAY SHEESHA SKY LOUNGE में कोरोना गाईडलाईन का कोई पालन नहीं किया जा रहा है, अतः आप इसपर जल्द से जल्द कार्रवाई करके इसे बंद करने का आदेश जारी करें

जुहू पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बिना किसी डर के चलने वाला 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' को नहीं है पुलिस प्रशासन का खौफ

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हरियाणा का संकट

हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की सरकार के खिलाफ कांग्रेस द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव का गिर जाना जितना स्वाभाविक है, उतना ही सीखने योग्य भी। बुधवार को पेश अविश्वास प्रस्ताव पर बाकायदे बहस हुई, पर हरेक पार्टी ने अपने विधायकों के लिए व्हिप जारी कर दिया था। ऐसे में, कांग्रेस को सरकार में शामिल जिस जननायक जनता पार्टी (जजपा) से उम्मीद थी, उसके विधायकों के हाथ बंध गए। बाहर नाराजगी का इजहार करने वाले जजपा विधायक भी पार्टी व्हिप के खिलाफ जाने की नहीं सोच सकते थे। वैसे तो कांग्रेस को भी अंदाजा था कि क्या होने वाला है। कांग्रेस ने पहले की कह दिया था कि उसका मकसद भाजपा और जजपा को बेनकाब करना है। चूंकि अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद सरकार के खिलाफ भाषण का मौका मिलता है, तो कांग्रेस ने लाभ उठाया। विधानसभा में मुख्यमंत्री खट्टर के भाषण से यह साफ हो गया कि कांग्रेस ने सत्ता पक्ष की नींद उड़ा रखी है। नैतिकता के पैमाने पर देखें, तो कांग्रेस ने जो किया, वह सदन के समय की बबार्दी थी, लेकिन अगर राजनीतिक नजरिए से देखें, तो इसमें कोई नई बात नहीं। किसी भी विपक्षी पार्टी को सुविधा हासिल है कि वह सरकार की कमजोरी या ताकत को समय-समय पर परखे। पंजाब की राजनीति में जहां अभी सुकून का आलम है, वहीं हरियाणा में खासतौर पर जमीनी स्तर से लेकर विधानसभा तक तनाव व्याप्त है। खट्टर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कृषि कानूनों और किसान आंदोलन के आधार पर ही लाया गया था। दरअसल, आंदोलनरत किसान जगह-जगह सत्ताधारी नेताओं को घेरने लगे हैं, जिससे कुछ इलाकों में नेताओं को जाने में परेशानी होने लगी है। वैसे तो किसान आंदोलन को देशव्यापी बताया जा रहा है, पर इसमें कोई शक नहीं कि हरियाणा के सत्ताधारी नेताओं पर इसका सर्वाधिक दबाव है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति और जन-प्रतिनिधि भी तनावग्रस्त हैं, पर अगर कोई पूरा राज्य आंदोलन की आंच झेल रहा है, तो वह हरियाणा है। यहां सत्ता में रहते कांग्रेस ने अनुबंध खेती का प्रावधान किया था, पर अब वह कृषि कानूनों के खिलाफ है। भाजपा जहां कृषि कानूनों के पक्ष में है, वहीं सत्ता में शामिल जजपा विधायक रह-रहकर असंतोष जताते आए हैं और विपक्ष को सरकार की ताकत पर संदेह के मौके मिलते रहे हैं। हालांकि, अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर कांग्रेस के 30 में से 25 विधायकों के ही हस्ताक्षर थे। वह खुद एकमत नहीं है। अविश्वास प्रस्ताव भले गिर गया, मगर हरियाणा में सत्ताधारी नेताओं पर तब तक संकट मंडराएगा, जब तक आंदोलन जारी है। इसकी आंच पर राजनीतिक रोटियां सेंकने की प्रशंसा भला कौन करेगा? आंदोलन का लाभ आज भले कोई पार्टी तात्कालिक रूप से ले ले, पर दूरगामी रूप से किसानों के सवाल सभी को परेशान करेंगे। किसानों के सवालों के जवाब उतने आसान होते, तो आंदोलन इतना लंबा न खिंचता। जहां तक राज्यों की राजनीति का प्रश्न है, तो वह भी जटिल ही है। किसान आंदोलन के समय ही पंजाब में जहां भाजपा को मुंह की खानी पड़ी है, वहीं गुजरात में वह बड़ी विजेता बनकर सामने आई है।

समझौता थोपने की अमेरिकी जिद!

अमेरिका दुनिया के सबसे खतरनाक और खूंखार आतंकवादी संगठन के साथ समझौता कर रहा है और वह समझौता अफगानिस्तान की चुनी हुई सरकार के ऊपर थोप रहा है। अमेरिका चाहता है कि वह समझौते का मसौदा बना कर अफगानिस्तान को दे और वहां की चुनी हुई सरकार आंख मूंद कर उस पर दस्तखत कर दे। इस लिहाज से देखें तो लगेगा कि अमेरिका में कुछ नहीं बदला है। डोनाल्ड ट्रंप की जगह जो बाइडेन के आ जाने के बावजूद अमेरिका वही है, जो यह समझता है कि दुनिया के देश उसके गुलाम हैं और वह जैसे चाहेगा वैसे उन्हें हांकेगा। अन्यथा क्या कारण है कि एक संप्रभु देश की चुनी हुई सरकार को अमेरिका आदेश दे रहा है कि वह तालिबान के साथ समझौता करे और उसके साथ मिल कर सरकार बनाए?

बाइडेन के ऐसे लक्षण आते ही दिखने लगे थे। उन्होंने ट्रंप के कई फैसले बदले पर तालिबान के साथ शुरू की गई वार्ता को जारी रखा। जालमे खलीलजाद को उन्होंने तालिबान के साथ वार्ता में लगाए रखा। अब बाइडेन प्रशासन ने अफगानिस्तान सरकार को आठ पन्नों का एक मसौदा तैयार करके भेजा है और कहा है कि सरकार इस पर अमल करे। इस प्रस्ताव की भाषा आदेश देने वाली है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने अफगान राष्ट्रपति को एक तरह से आदेश देते हुए कहा है कि उनके प्रतिनिधि आने वाले हफ्तों में तुर्की पहुंचें, तालिबान के साथ बात करें और एक समावेशी सरकार बनाने की पहल करें। समावेशी सरकार का मतलब है, ऐसी सरकार का गठन, जिसमें मौजूदा चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ साथ तालिबान के सदस्य भी सरकार में शामिल हों। सोचें, यह कैसा पागलपन है। अमेरिका दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी संगठन को न सिर्फ वैधता दिला रहा है, बल्कि उसे अफगानिस्तान की सरकार में शामिल कराने का प्रयास करके करोड़ों लोगों का जीवन खतरे में डाल रहा है।

यह सही है कि अमेरिकी फौजों ने अफगानिस्तान में बरसों तक लड़ाई लड़ी और अब उनके वापस लौटने का समय आ गया है। ट्रंप ने वापसी के लिए एक मई की जो समय सीमा तय की थी उस सीमा के मुताबिक अमेरिकी फौजों की वापसी हो जानी है। अमेरिका इसके लिए स्वतंत्र है। लेकिन अफगानिस्तान के साथ वह अपने एक उपनिवेश की तरह बरताव नहीं कर सकता है। वह अफगानिस्तान

की चुनी हुई सरकार को इस बात के लिए बाध्य नहीं कर सकता है कि वह तालिबान जैसे आतंकवादी संगठन के साथ मिल कर सरकार बनाए। अमेरिका ने तालिबान के साथ समझौता करके देख लिया है, क्या उससे अफगानिस्तान में शांति बहाल हुई? अमेरिका जालमे खलीलजाद के जरिए 2018 से ही तालिबान से बात कर रहा है। कतर में कई दौर की वार्ता के बाद दोनों के बीच शांति की सहमति बनी पर क्या उसके बाद तालिबान ने हिंसा बंद की? उलटे समझौता होने के तुरंत बाद कई बड़ी हिंसक घटनाओं को तालिबान ने अंजाम दिया। ऐसे में अमेरिका कैसे यह उम्मीद कर सकता है कि तालिबान को सरकार में शामिल करा देने से शांति बन जाएगी? अमेरिका दुनिया भर के लोगों के मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाला देश है, महिलाओं के अधिकार की रक्षा करने वाला देश है, धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने वाला देश है और ऐसा देश कह रहा है कि अफगानिस्तान की सरकार तालिबान से समझौता कर ले और उसे सरकार में शामिल कर ले! सबको पता है कि मानवाधिकार, महिला अधिकार या धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के बारे में तालिबान की क्या सोच है। तालिबान की पूरी सोच शरीयत कानून लागू करने की है, जिसमें महिलाओं के लिए सार्वजनिक जीवन में कोई भूमिका नहीं होती है। उसमें किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं होता है। क्या अमेरिका को पता नहीं है कि तालिबान के आने से महिला अधिकार, मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार आदि सब खत्म हो जाएंगे?

अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार ने 2004 में जिस संविधान को अपनाया वह दुनिया के स्वतंत्र व सभ्य देशों की सबसे अच्छी मान्यताओं और परंपराओं का सम्मिश्रण है। इसे तमाम अफगान कबीलों ने और धार्मिक गुरुओं ने मान्यता दी। सबसे ताकतवर पख्तून समुदाय की लोया जिरगा में इसे स्वीकार किया गया। इसमें मानवाधिकारों, महिला अधिकारों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी दी गई है। क्या तालिबान के हाथ में सत्ता आने के बाद इन अधिकारों की गारंटी कोई दे सकता है? तभी राष्ट्रपति अशरफ गनी ने दो टूक अंदाज में अमेरिकी मसौदे को मानने से इनकार किया है। उनके प्रथम उप राष्ट्रपति अब्दुल्ला सालेह ने कहा है कि अमेरिका उन्हें समझौता करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। अगर अफगानिस्तान की चुनी हुई सरकार को समझौता करना है तो वह अपनी शर्तों पर करेगी। अमेरिका ने अफगानिस्तान के पास जो मसौदा भेजा है उसमें सारी अच्छी अच्छी बातें कही गई हैं। इसमें कहा गया है कि समावेशी सरकार यानी तालिबान को शामिल करके बनने वाली सरकार महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के अधिकार का सम्मान करेगी। इसमें एक ह्यूमन राइट्स कमीशन बनाने की बात कही गई है ताकि 42 साल से चल रहे टकराव के जख्मों को भरने की मानवीय पहल की जाए। इस मसौदे में यह भी कहा गया है कि तालिबान सीमा पार के अपने सारे मिलिट्री ढांचे को खत्म करेगा यानी पाकिस्तान में बैठ कर उसके नेता जो गतिविधियां चलाते हैं उसे बंद करना होगा। समझौते के मसौदे में यह भी कहा गया है कि एक राष्ट्रीय सरकार बनेगी और कोई दूसरी समानांतर सरकार नहीं होगी, कोई समानांतर सिक्योरिटी फोर्स भी नहीं होगी यानी तालिबान को अपना आतंकवादी ढांचा नष्ट करना होगा। सोचें, क्या ऐसा हो सकता है? यह अमेरिका का सद्भाव है या उसकी सदिच्छा है, जो वह ऐसा सोच रहा है। इस मसौदे पर दस्तखत के बाद भी तालिबान इसमें से किसी शर्त को नहीं मानेगा। तालिबान को जानने वाला कोई भी व्यक्ति इस पर यकीन नहीं कर सकता है। हो सकता है कि अमेरिकी फौजों की वापसी सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय सरकार में शामिल होने के लिए तालिबान समझौते की शर्तों को स्वीकार कर ले पर यह तय मानें कि जैसे ही वे सरकार में शामिल होंगे और अमेरिकी फौज लौटेगी, वैसे ही अफगानिस्तान में तालिबान का पुराना राज लौट आएगा। हिंदू कुश की पहाड़ियों में आतंकवादियों के अड्डे बनने लगेंगे! अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन पैदा होने लगेंगे! बामियान में बुद्ध की मूर्ति तोड़ी जाने लगेगी! महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से खदेड़ कर घरों में बंद किया जाने लगेगा! किताबों की दुकानें बंद होने लगेंगी!

गोंडों से सीखे सारा भारत

भारत में गोंड आदिवासियों की संख्या लगभग 90 लाख है। ये मुख्यतः छत्तीसगढ़, मप्र, महाराष्ट्र और ओडिसा के जंगलों में रहते हैं। छत्तीसगढ़ में कवर्धा जिले के गोंडों ने एक ऐसा संकल्प किया है, जिसका अनुकरण सारा भारत कर सकता है। गोंड कबीलों के लोग प्रायः गरीब और अशिक्षित होते हैं। उन्हें संविधान की अनुसूचित में डाल रखा है लेकिन उन्होंने समाज-सुधार के कुछ ऐसे फैसले किए हैं, जो शहरों और गांवों में रहनेवा ले ऊंची जातियों के संपन्न और सुशिक्षित लोग भी उनसे कुछ सीख सकते हैं। उनका पहला फैसला है, शराबबंदी का। मप्र के आदिवासी इलाकों में मुझे जब भी जाने का मौका मिलता था, मैं यह देखकर दंग रह जाता था कि आदिवासी लोग सुबह-सुबह बंटा चढ़ा लेते थे। उन्हें

मां-बाप और बुजुर्गों से कोई संकोच नहीं होता था। कोई भी कानून उन्हें शराबखोरी से रोक नहीं पाता था लेकिन अब कवर्धा के गोंडों ने एक महासम्मेलन आयोजित किया और उसमें सर्वसम्मति से फैसला किया कि त्यौहारों और उत्सवों में अब जो भी शराब पिएगा, उस पर 2 से 5 हजार रु. तक जुर्माना होगा। बरातियों को अब शराब नहीं परोसी जाएगी। यह शुरूआत भर है। हो सकता है कि रोजमर्रा की व्यक्तिगत शराबखोरी के खिलाफ भी सामूहिक संकल्प तैयार हो जाए। दूसरा बड़ा फैसला वहां यह हुआ कि न तो दहेज लिया जाएगा, न दिया जाएगा। आदिवासियों में दहेज की परंपरा के कारण कई मुसीबतें खड़ी हो जाती हैं लेकिन अब यह तय हुआ है कि वधु को सिर्फ पांच प्रकार के बर्तन भेंट किए जाएंगे। शराबबंदी, दहेज और मृत्युभोज के विरुद्ध 60-65 साल पहले मैंने इंदौर में जब आंदोलन शुरू किया था तो लोगों ने मुझे गिरफ्तार करवा दिया था लेकिन मुझे खुशी है कि अब इन्हीं मुद्दों पर आदिवासी समाज की मुहर लग रही है। धीरे-धीरे सभी प्रांतों के गोंड आदिवासी यही संकल्प करने वाले हैं। कवर्धा के महासम्मेलन ने एक फैसला ऐसा किया है, जिस पर मतभेद हो सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उद्धव ठाकरे बोले- वैक्सीन से डरने की जरूरत नहीं है... मैंने लगवाई है, अब आप लोग भी टीका लगवाएं

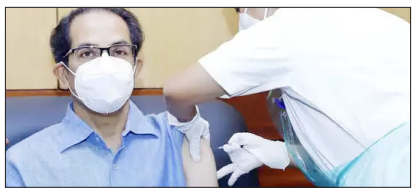

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई स्थित जेजे अस्पताल में कोरोना महामारी से बचाव करने वाला टीका लगवाया है। उद्धव ठाकरे के साथ उनके बेटे और पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे और पत्नी पत्नी रश्मि ठाकरे भी मौजूद थे। आपको बता दें कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी कुछ दिनों पहले कोरोना का टीका लगवाया था। उद्धव ठाकरे के अस्पताल निजी अस्पताल पहुंचने के बाद पहले उनकी जांच की गई और सभी रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें कोरोना वैक्सीन का इंजेक्शन लगाया गया। उनके साथ उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने भी कोरोना वैक्सीन लगवाई है। कोरोना का टीका लगवाने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र की जनता से भी कोरोना वैक्सीन लगवाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता मन में रखने की जरूरत नहीं है। मैंने कोरोना वैक्सीन की डोज ली है और उसके बाद आप सबसे अपील करता हूं कि आप सभी कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाएं ताकि कोरोना को जल्द से जल्द खत्म किया जा सके।

मुंबई में लॉकडाउन फिलहाल नहीं: आईएस चहल

संवाददाता

मुंबई। कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुंबई में लॉकडाउन लगने की आशंका के बीच बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल ने स्थिति स्पष्ट कर दी। चहल ने कहा कि मुंबई में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है। कोरोना की पॉजिटिविटी रेट सिर्फ 6 प्रतिशत है, इसलिए यहां दोबारा लॉकडाउन लगाने की जरूरत नहीं है। हालांकि, उन्होंने मुंबईकरों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लोगों ने कोरोना को गंभीरता से नहीं लिया और लापरवाही बरती, तो भविष्य में कठोर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। चहल ने कहा कि मुंबई में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन यह ज्यादा चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि जनवरी में प्रतिदिन 10 से 12 हजार लोगों का कोरोना टेस्ट किया जाता था। अब सोमवार को 23000

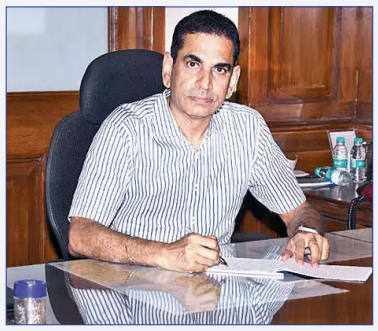

लोगों का कोविड टेस्ट किया गया। मुंबई में यदि 100 लोगों का टेस्ट होता है तो उसमें से सिर्फ 6 ही पॉजिटिव पाए जा रहे हैं, जो राहत की बात है। राज्य के अन्य स्थानों की तुलना में मुंबई का पॉजिटिविटी रेट कम है। पॉजिटिविटी रेट अधिक होता तो लॉकडाउन पर विचार किया जा सकता था। चहल ने कहा कि मुंबई के कोविड सेंटर में 60 प्रतिशत बेड खाली हैं, जंबो सेंटर में पर्याप्त व्यवस्था है, आईसीयू बेड व ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। इसलिए मुंबई में अभी लॉकडाउन लगाने की स्थिति नहीं बनी है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा है कि मुंबई में भीड़भाड़ वाली जगहों, सब्जी मंडियों, बाजारों, बसों, विवाह कार्यक्रमों, नाइटक्लब व पबों में कोरोना नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। हम इसके बारे में गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि इनके खुलने व बंद करने के समय में कटौती की जाए या नाइट कर्फ्यू लगाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मैरिज हॉल में हो रही शादियों में लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो रहे हैं। शादियों में सिर्फ 50 लोग ही शामिल हों, इसके लिए जल्द ही कड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

विधायकों को विकास के लिए मिलेंगे 4-4 करोड़ रुपये

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने विधायकों को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 4-4 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। कोरोना का हवाला देकर मंदी का रोना रोने वाली महा विकास आघाडी सरकार ने विधायकों की विकास निधि को तीन करोड़ रुपये सालाना से बढ़ाकर अब चार करोड़ रुपये कर दिया है। इसके अलावा, ई-टेंडरिंग की सीमा भी तीन लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है। साथ ही विधायकों को पूरा वेतन भी दिया जाएगा। विधायकों के वेतन में सरकार ने पहले 30 प्रतिशत की कटौती कर दी थी। बजट सत्र के अंतिम दिन बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्तमंत्री अजित पवार ने विधायकों की विकास निधि बढ़ाने की घोषणा की। इसका सभी दलों के विधायकों ने मेजें थपथपाकर जोरेदार स्वागत किया। पवार ने विधानसभा में कहा कि विधायकों की विकास निधि 4 करोड़ रुपये किया जा रहा है। इससे सरकार की तिजोरी पर 350 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। गौरतलब है कि विधायकों की विकास निधि पहले 3 करोड़ रुपये सालाना थी, लेकिन कोरोना काल के दौरान आर्थिक बदहाली का हवाला देते हुए वित्तमंत्री ने विकास निधि दो करोड़ रुपये कर दिया था। अब इसे बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये किया जा रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' में खुलेआम उड़ाई जा रही है कोरोना गाईडलाईन की धज्जियां

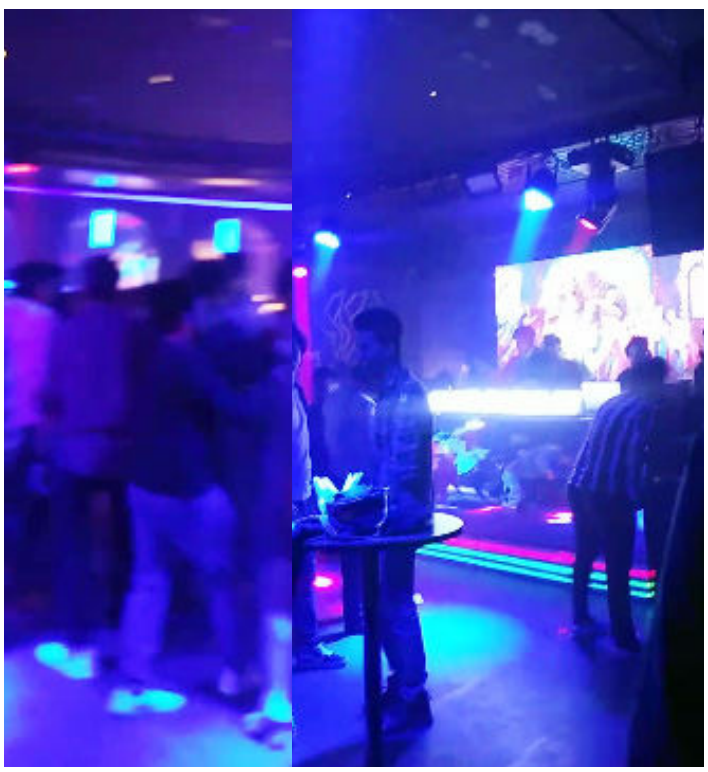

पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा है, वहीं महाराष्ट्र सरकार व मनपा द्वारा बार-बार मास्क पहनने के साथ सोशल डिस्टेंसिंग की अपील की जा रही है, लेकिन 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' के संचालक बिना किसी डर के जुहू पुलिस स्टेशन को अपने जेब में रखकर अपना हुक्का लाउंज व पब का व्यवसाय जोरों पर चला रहा है। बता दें कि इस हुक्का लाउंज व पब में कोई भी न तो मास्क पहनता न ही किसी तरह का कोई सोशल डिस्टेंसिंग रहता है। 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' पूरी रात धड़ल्ले से चालू रहता है। जुहू पुलिस स्टेशन को 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' पर सख्त से सख्त कार्रवाई करके इसे जल्द से जल्द बंद करना चाहिए। साथ ही जुहू पुलिस स्टेशन व मनपा को 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' की पूरी लायसेंसों की गहराई से जांच पड़ताल करनी चाहिए। दै. मुंबई हलचल अपने स्तर पर 'क्लब बॉम्बे शीशा स्काय लाउंज' के लायसेंस व कागजातों की जांच पड़ताल शुरू कर दी है, जुहू पुलिस व मनपा इसको जल्द से जल्द बंद करवाने में सहयोग करें।

नागपुर के बाद महाराष्ट्र के और शहरों में भी जल्द लॉकडाउन!

महाराष्ट्र सरकार ने 15 से 21 मार्च तक नागपुर में सख्त लॉकडाउन की घोषणा की है। गुरुवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के कुछ और शहरों में भी जल्द लॉकडाउन लगाने के संकेत दिए हैं। ठाकरे ने कहा कि कोरोना और न फैले, इसके लिए महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में कड़ाई से लॉकडाउन लागू किया जाएगा। गौरतलब है कि नागपुर में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 1,513 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद नागपुर शहर में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 2 लाख 43 हजार 726 तक पहुंच गया है। अब तक यहां 4 हजार 877 लोगों की मौत भी दर्ज की जा चुकी है। महाराष्ट्र में अब तक इस बीमारी से 52,610 लोगों की मौत हो चुकी है।

महाराष्ट्र : टीकाकरण केन्द्रों को 24 घंटे, सातों दिन काम करने की मिली अनुमति

एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बृहस्पतिरवार को कहा कि राज्य में अब तक कुल 21.25 लाख लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉक्टर प्रदीप व्यास ने कहा, फिलहाल (हर समय काम करने के लिये) सैद्धांतिक मंजूरी दी हुई है। चिकित्सा केन्द्रों पर निर्भर करता है कि कर्मियों की पर्याप्त संख्या होने पर टीकाकरण के के लिये काम के घंटे तय करें।

नहीं रहे धारावी के हीरो

मुंबई के एसीपी रमेश नांगरे का हार्ट अटैक से निधन, धारावी में कोरोना फैलने पर 2 महीने बिना घर गए की थी ड्यूटी

संवाददाता

मुंबई। एशिया की सबसे बड़ी स्लम बस्ती धारावी में कोरोना को कंट्रोल करने में बड़ी भूमिका निभाने वाले मुंबई के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर रमेश नांगरे का गुरुवार को निधन हो गया। उन्हें सोते वक्त हार्ट अटैक आया था। उन्होंने बिस्तर पर ही आखिरी सांस ली। धारावी में पिछले साल जब कोरोना वायरस फैला तो लॉकडाउन के दौरान नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी रमेश नांगरे को दी गई थी। उन्होंने जिस तरह लोगों को घरों में रखने में कामयाबी हासिल की, उसके पैटर्न की तारीफ वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने भी की थी।

2 दिन पहले वैक्सीन लगवाई थी

रमेश नांगरे इस समय सकीनाका डिवीजन में तैनात थे। उन्होंने 2 दिन पहले ही कोरोना की वैक्सीन लगवाई थी। कहा जाता है कि मुंबई में कोरोना जब अपने पीक पर था, तब उन्होंने पत्नी और बच्चों से बिना मिले 2 महीने तक लगातार ड्यूटी की थी।

गृह मंत्री ने शोक जताया

रमेश नांगरे के निधन पर शोक जताते हुए महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एसीपी रमेश नांगरे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि! उनके निधन से मुंबई पुलिस ने एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी को खो दिया है। हम दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़े हैं।'

धारावी मॉडल की डब्ल्यूएचओ ने की थी तारीफ: धारावी में कोरोना से निपटने के मॉडल की तारीफ डब्ल्यूएचओ ने भी की थी। संयुक्त राष्ट्र के हेल्थ चीफ ने कहा था कि मुंबई के इस स्लम एरिया (धारावी) में ज्यादा टेस्टिंग, ट्रेसिंग, सोशल डिस्टेंसिंग और संक्रमित मरीजों के तुरंत इलाज के कारण लोग कोरोना से बहुत तेजी से ठीक हो रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक, टेड्रोस अदनोम घेब्रासूस ने कहा था कि धारावी ने अपने घनत्व के बावजूद इस महामारी पर तेजी से काबू पाया है।

अब किसानों पर संसद में हंगामा

दोनों सदनों में जारी रहा गतिरोध , शोरगुल के बीच पारित हुए कई विधेयक

■ नई दिल्ली / संवाददाता

विवादों में घिरे तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में किसानों के आंदोलन के मुद्दे पर कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष ने संसद में भारी हंगामा किया, जिससे वुधवार को भी दोनों सदनों में गतिरोध जारी रहा। हंगामे के कारण लोकसभा एवं राज्यसभा को दोदो बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्षी सदस्यों ने सोमवार और मंगलवार को पेट्रोलियम उत्पादों की मूल्यवृद्धि का विरोध करते हुए दोनों सदनों में हंगामा किया था। हालांकि शोरगुल के बीच सरकार दोनों सदनों में एकएक विधेयक को पारित कराने में सफल रही।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, "हम देश के किसानों की व्यथा को सुबह से व्यक्त करना चाहते हैं। देशभर में लाखों की संख्या में किसान परेशान हैं। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।" चौधरी ने कहा, 'दिल्ली की सीमा पर आंदोलन कर रहे किसानों की कथित आत्महत्या की खबर आ रही है, ऐसे में हम कैसे चुप रह सकते हैं?'

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सदस्य लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे। उन्होंने 'काले कानून वापस लो' और 'प्रधानमंत्री जवाब दो' के नारे लगाए। बिरला ने कहा, "आपको जनता ने चर्चा और संवाद के लिए सदन में भेजा है, लेकिन आप लोग रोज नारेबाजी करते हैं और अमर्यादित व्यवहार करते हैं। ये आपका गलत तरीका है। हमें संसद की मर्यादा रखनी चाहिए।" उन्होंने कहा, '(सपा के वरिष्ठ नेता) मुलायम सिंह यादव साहब, इन लोगों को समझाइए।'

राज्यसभा में भी कमोबेश यही नजारा देखने को मिला। सदन में शून्य काल शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए नोटिस दिए जाने का जिक्र किया। नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने कहा कि विपक्षी सदस्य सदन की कार्यवाही को बाधित करने यहां नहीं आए हैं और वे भी चाहते हैं कि सदन चले। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग है कि पहले किसानों के मुद्दे पर चर्चा हो।

सभापति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि कांग्रेस सदस्यों दीपेंद्र हुड्डा, प्रताप सिंह बाजवा व राजीव सातव, राजद के मनोज झा और द्रमुक के टी शिवा की ओर से उन्हें किसानों के मुद्दों पर चर्चा के लिए नोटिस 267 के तहत कार्यस्थगन नोटिस मिले हैं। अभी कई मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा होनी है और उस दौरान सदस्य किसानों के मुद्दे पर अपनी बात रख सकते हैं। सभापति ने कहा कि ईंधन की कीमतों पर चर्चा से संबंधित नोटिस को वह पहले ही खारिज कर चुके हैं। अन्य सदस्यों ने कहा कि वजट सत्र के पहले चरण में किसानों के मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है, इसलिए उन्होंने इन नोटिसों को खारिज कर दिया है। हंगामे के बीच ही सदन में माध्यस्थम और सुलह संशोधन विधेयक 2021 को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया। इसके अलावा कई अन्य विधेयक भी पास किए गए।

लोकसभा में

दिल्ली की सीमा पर आंदोलन कर रहे किसानों की कथित आत्महत्या की खबर आ रही है, ऐसे में हम कैसे चुप रह सकते हैं?
-अधीर रंजन चौधरी

आपको जनता ने चर्चा और संवाद के लिए सदन में भेजा है, लेकिन आप लोग रोज नारेबाजी करते हैं और अमर्यादित व्यवहार करते हैं। ये आपका गलत तरीका है।
-ओम बिरला

राज्यसभा में

विपक्ष की मांग है कि पहले किसानों के मुद्दे पर चर्चा हो
-मल्लिकार्जुन खड़गे

बजट सत्र के पहले चरण में किसानों के मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है, इसलिए उन्होंने नोटिसों को खारिज कर दिया है
-वेंकैया नायडू

माध्यस्थम और सुलह संशोधन विधेयक पारित

राज्यसभा ने वुधवार को माध्यस्थम और सुलह संशोधन विधेयक 2021 को मंजूरी प्रदान कर दी। इसमें भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने की बात कही गई है। उच्च सदन ने हंगामे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। सदन में उस समय विपक्षी सदस्य किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कराए जाने की मांग कर रहे थे। लोकसभा इस बिल को पहले ही पारित कर चुकी है।

संसद में आज से चार दिनों का अवकाश

संसद के दोनों सदनों में वृहस्पतिवार से चार दिनों का अवकाश रहेगा तथा लोकसभा एवं राज्यसभा की अगली बैठक अब सोमवार पूर्वाह्न 11 वजे होगी।

किसान 15 को प्रदर्शन करेंगे, 26 को भारत वंद

नई दिल्ली (संवाददाता)। किसान यूनियनों ने केन्द्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 26 मार्च को अपने आंदोलन के चार महीने पूरे होने के मौके पर भारत वंद का आह्वान किया है। 15 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा निजीकरण और महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करेगा किसान नेता बूटा सिंह बुर्जगिल ने कहा कि किसान और व्यापार संघ मिलकर 15 मार्च को पेट्रोलडीजल की महंगाई और रेलवे के निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि 26 मार्च को किसान आंदोलन के 4 माह पूरे होने जा रहे हैं।

मनसुख हिरेन मौत मामला: एटीएस ने पत्नी और बेटे का बयान दर्ज किया

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर विस्फोटकों से लदी स्कॉर्पियो मिलने और उसके मालिक मनसुख हिरेन की संदिग्ध मौत के मामले में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने मनसुख हिरेन की पत्नी और उसके बेटे का बयान दर्ज किया है। सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे ने इस बात से इनकार किया है कि वह मनसुख हिरन की स्कॉर्पियो कार का उपयोग कर रहे थे। महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच कर रही एटीएस ने इस सप्ताह की शुरूआत में वाजे का बयान दर्ज किया था। हिरेन की पत्नी ने दावा किया था कि उनके पति ने नवंबर में वाजे को अपनी कार दी थी, जिसे मुंबई अपराध शाखा में तैनात रहे अधिकारी ने फरवरी के पहले सप्ताह में लौटाया था। हिरेन ने दावा किया था कि यह गाड़ी कुछ दिन पहले चोरी हो गई थी। बता दें कि मनसुख की पत्नी विमला हिरेन ने कुछ दिन पहले एटीएस को बताया था कि जिस पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को जांच की जिम्मेदारी दी गई थी उसने चार महीने तक घटना में शामिल स्कॉर्पियो कार का इस्तेमाल किया था। उन्होंने आशंका जताई थी कि उनके पति की हत्या में भी सचिन वाजे का हाथ है। मनसुख हिरेन की मौत के मामले में एटीएस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद मनसुख की पत्नी का जवाब दाखिल किया था। विमला ने बताया था कि सचिन वाजे उनके पति के संपर्क में थे। नवंबर 2020 में वाजे ने मनसुख से स्कॉर्पियो कार इस्तेमाल करने के लिए ली थी। 5 फरवरी 2021 को वाजे ने अपने ड्राइवर के हाथों कार वापस लौटा दी थी। विमला ने कहा था कि 'एंटीलिया के पास संदिग्ध अवस्था में कार मिलने के बाद 26 फरवरी को मेरे पति मनसुख इंस्पेक्टर सचिन वाजे के साथ मुंबई अपराध शाखा गए थे। उसके बाद तीन दिन लगातार सचिन वाजे क्राइम ब्रांच के दफ्तर ले गया।' उन्होंने बताया कि 'मनसुख ने जांच के दौरान जो जवाब दिए उसकी कॉपी भी घर लेकर आए और उन पर सचिन वाजे के हस्ताक्षर भी हैं। वाजे ने मनसुख से कहा था कि गिरफ्तार हो जाओ। दो-तीन दिन में जेल से बाहर निकाल लेंगे।'

महाराष्ट्र सरकार ने वाजे को क्राइम ब्रांच से हटाया

वहीं मनसुख हिरेन की संदिग्ध मौत मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी जांच शुरू कर दी है। एनआईए टीम मंगलवार को मुंबई पहुंचते ही कई जगह छापेमारी कर अहम सबूत जुटाए।

'राष्ट्र के युवाओं को समाज के हाशिए के वर्गों के उत्थान के लिए कदम उठाना होगा तभी इस देश का विकास संभव होगा'

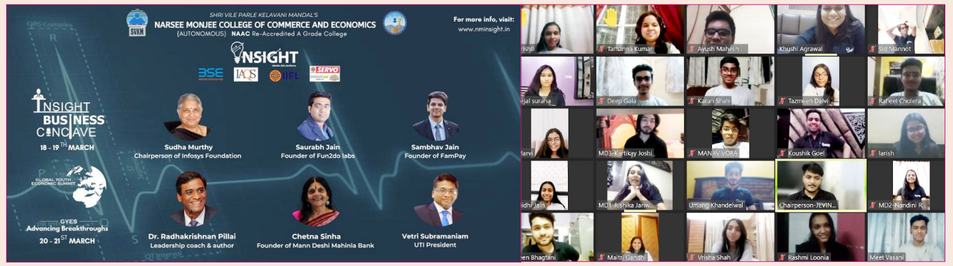

S.V.K.M.'s Narsee Monjee College Of Commerce And Economics- भारत के शीर्ष 10 प्रीमियर कॉमर्स कॉलेजों में से एक, अपने अंतरराष्ट्रीय इंटरकॉलेजिएट समारोह INSIGHT को प्रस्तुत करता है। Insight'21 एक व्यवसाय, वित्त और आर्थिक महोत्सव है और इस वर्ष यह एक ऑनलाइन मंच पर प्रस्तुति करके अपनी यात्रा को प्रबुद्ध करेगा। पिछले वर्षों में, Insight ने श्रीमती स्मृति ईरानी (कपड़ा मंत्री), सुश्री प्रियंका चतुर्वेदी (भारतीय राजनीतिज्ञ), श्री अपूर्व मेहता (सी.ई.ओ, धर्मा प्रोडक्शन) आदि जैसे विविध पृष्ठभूमि के तारकीय व्यक्तित्वों का स्वागत कीया है। इसकी ऑनलाइन उपस्थिति के कारण, हम अधिकतम कॉर्पोरेट और पेशेवरों सहित 1000+व्यक्तियों के आने की उम्मीद करते है। आज के समय में कम्प्यूटरीकरण के दायरे में, INSIGHT'21 का विषय कोई और नहीं बल्कि डिजिटल युग को उजागर करना ही है। INSIGHT का मानना है कि इस डिजिटल सभ्यता में एक इंसान के रूप में, हमारी आवश्यकता से अधिक, यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हम अपने ज्ञान का विस्तार करें और तकनीक ब्रह्मण का महत्त्व उजागर करें। INSIGHT की प्रमुख फ्लैगशिप प्रतिस्पर्धा, ग्लोबल यूथ इकोनॉमिक समिट (GYES) विश्व आर्थिक मंच की तर्ज पर एक दिवसीय सम्मेलन है, जिसमें मानव अर्थव्यवस्था और रूढ़िवादी वित्त के बारे में एजेंडों पर चर्चा करेंगे। AWAAZ: यूथ पार्लियामेंटरी डिबेट ग्लोबलाइजेशन बनाम इंसुलेशन पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए युवाओं के लिए अवसर उपलब्ध कराता है।

शेयर बाजार के संदर्भ में, यह बिना बोले माना जाता है की आम व्यक्ति को हर चीज का भाव तो पता है पर एक भी वास्तु का मूल्य ज्ञात नहीं होतो एक नियंत्रित वातावरण के भीतर असंख्य कारकों के साथ एक मैक्रो-पर्यावरण युवा दिमाग को DALAL STREET का यथार्थवादी स्वाद देना सुनिश्चित करता है। इसके बाद, पेरिकुलम, एक वित्तीय घटना सभी अंतर की कड़िया जोड़ देती है। बहरहाल, INSIGHT बिजनेस कॉन्क्लेव में नए युग को धन के विचार के साथ लोगों को संबोधित किया जाएगा एवं यह प्रसिद्ध व्यापार कर्मियों के साथ बातचीत के लिए एक महान अवसर है। अनौपचारिक विभाग का Dare To Dream अभियान युवाओं की जीवंत भावना को प्रदर्शित करता है। छोटे बदलाव बड़े प्रभाव डाल सकते हैं, इस पर एक मजबूत विश्वास रखते हुए INSIGHT ने समाज को आत्मनिर्भर बनाने के लिए KARTAVYAकी शुरूआत की है। राष्ट्र के युवाओं को समाज के हाशिए के वर्गों के उत्थान के लिए कदम उठाना होगा तभी इस देश का विकास संभव होगा, ऐसे हमारे विचार है। क्लासरूम लर्निंग और कॉर्पोरेट जगत के बीच के अंतर को भरने के लिए दृष्टि के साथ INSIGHT ने सचेत रूप से सभी प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन की व्यावहारिकता प्रदान करने की दिशा में काम किया है और इस पांचवे सफल वर्ष में आप सबको दिल से स्वागत करके आमंत्रण देता है। आइये और हमारे इवेंट का हिस्सा बनिए।

विशेष सूचनाः यह परियोजना ४ दिन की समयावधि में आयोजित है - दिनांक : १८,१९,२० एवं २१ मार्च २०२१। अधिक जानने के लिए http://nminsight.in/ पर जाएँ।

अंबाला के बाद राफेल की दूसरी स्क्वाड्रन बंगाल के हाशिमारा बेस पर तैनात होगी, फ्रांस में ट्रेनिंग ले रहे पायलट

नई दिल्ली। हरियाणा के अंबाला के बाद अब पश्चिम बंगाल के हाशिमारा बेस पर राफेल की दूसरी स्क्वाड्रन तैनात होगी। वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक, इसी साल अप्रैल महीने तक इसका काम पूरा कर लिया जाएगा। फ्रांस में पायलटों की ट्रेनिंग भी लगभग उसी समय पूरी होगी। हाशिमारा बेस उत्तर बंगाल में चीन-भूटान ट्राइजंक्शन के करीब है। भारत ने फ्रांस के साथ 2016 में 59 हजार करोड़ रुपए में 36 राफेल जेट की डील की थी। इनमें 30 फाइटर जेट और 6 ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट होंगे। ट्रेनर जेट्स टू सीटर होंगे और इनमें भी फाइटर जेट जैसे सभी फीचर होंगे। भारत को जुलाई के आखिर में 5 राफेल फाइटर जेट्स का पहला बैच मिला। 27 जुलाई को 7 भारतीय पायलट्स ने राफेल लेकर फ्रांस से उड़ान भरी और

7,000 किमी का सफर तय कर 29 जुलाई को भारत पहुंचे थे। 2019 में दशहरे पर राफेल भारत को सौंपे गए थे, तब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस में हिंदू रीति रिवाज से शस्त्र पूजा करते हुए राफेल पर 'ओम' बनाकर नारियल चढ़ाया और धागा बांधा था। इस पूजा पर विपक्ष ने सवाल खड़े किए थे। भारत को जुलाई के आखिर में 5 राफेल फाइटर जेट्स का पहला बैच मिला था। दूसरी खेप में 3 नवंबर को 3 और तीसरी खेप में 27 जनवरी को 3 राफेल विमान भारत आए।अब तक 11 जेट भारत आ चुके हैं। मार्च तक 6 और विमान भारत को मिल जाएंगे। ऐसे में इसकी कुल संख्या 17 हो जाएगी। यह जानकारी राज्यसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में दी थी। उन्होंने बताया था कि अप्रैल 2022 तक भारत को पूरे राफेल मिल जाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

बुलडाणा जिले में फिर कोरोना ब्लास्ट !

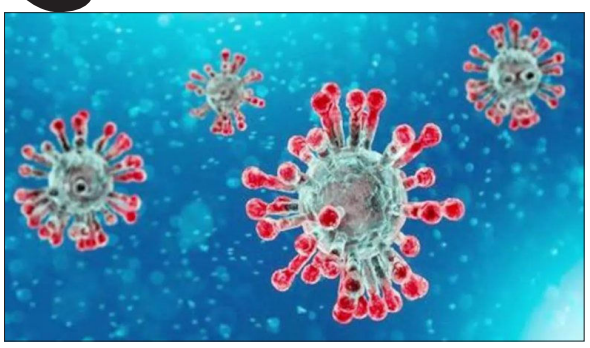

एक ही दिन में, 755 नए संक्रमित मिले पॉजीटिव

बुलडाणा। जिले में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। गुरुवार को फिर कोरोना ब्लास्ट हुआ। एक ही दिन जिले में एक ही दिन मे 755 नए पॉजीटिव पाए गए। इससे साफ है कि जिले में कोरोना का खतरा बढ़ रहा है। सतर्क हो गया है। प्रशासन की ओर से कोरोना संक्रमण पर लगाम कसने के लिए हरसंभव प्रयास जारी है। जिले में फरवरी से कोरोना मरीजों का आंकड़ा बढ़ रहा है। मार्च माह में तो यह आंकड़ा काफी तेजी से बढ़ रहा है। आज कोरोना संक्रमित मे सब ज्यादा बुलडाणा तहेसील मे 141 पाए गए। जिले में अब तक 206 लोगों की मौत हो चुकी है। एक ओर कोरोना संक्रमण रोकने में अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही वहीं दूसरी ओर कोरोना संक्रमित मे दर में वृद्धि हो रही है। इससे जिला प्रशासन तथा चिकित्सा अधिकारियों की चिंता बढ़ रही है। राहत की बात यह है कि ठीक होने वाले मरीजों का औसत अच्छा है। जिले में अब तक निगेटीव्ह रिपोर्ट कुल एक लाख 53 हजार 300 नमूनों की जांच की गई। इनमें से 19430 लोगों ने कोरोना क मात दि है।

पैगंबर मुहम्मद (सल्लाल्लाहू अलेही वसल्लम) के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने वाले के खिलाफ रजा अकॅडमी कलेक्टर और जिला अधीक्षक को निवेदन देकर सख्त कारवाई कि मांग की गई

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। अभी फिलहाल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में, नरसिम्हा नंद नाम के एक शख्स ने पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) को अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके और पूरे मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को आहत करने का काम किया। यूट्यूब पर वीडियो अपलोड करने से दो समुदायों के बीच दरार पैदा हो रही है।अब किसी को भी ईस तरह का वीडियो सोशल मिडीया पर वायरल नहीं करना चाहिए। इस लिए रजा अकॅडमी के माध्यम से जिला कलेक्टर और जिला अधीक्षक को एक निवेदन दिया गया गया है। निवेदन देते समय इमाम जमा मस्जिद मौलाना मंजूर अकबरी, मौलाना कलीम रजा, रईस काजी, शाकीर रजा ,मौसुफ शेख, शेख जुबेर, सैय्यद समीर अन्य उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

देवरिया में पत्रकार पर भड़के पुलिस अधीक्षक कर दी अपशब्दों की बौछार

पत्रकार हो कि दलाल आप को भेज दूँगा जेल–पुलिस अधीक्षक देवरिया के बोल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हूसैन

देवरिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार पत्रकारों से सही तरीके से पेश आने का फरमान अपने मातहतों को जारी करते रहते हैं लेकिन डीजीपी उत्तर प्रदेश बकायदा हर जिले के सभी पुलिस अधीक्षक को शासनादेश के तहत यह सुनिश्चित करने को कहते हैं कि किसी भी दशा में पत्रकारों का सम्मान होना चाहिए और उनके कार्यों की सराहना करें,उनका सहयोग करे और उनके साथ शालीनता से पेश आएं लेकिन देवरिया के पुलिस अधीक्षक डॉ श्रीपति मिश्रा अपने आप को मुख्यमंत्री और डीजीपी से ऊपर समझते हैं जो पत्रकारों के साथ अभद्र भाषा में बात करते हैं पत्रकारों को दलाल कहते हैं और फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की धमकी देते हैं। मामला उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद का है

जहां पर पुलिस अधीक्षक से एक खबर के बारे में जानकारी को लेकर चौथा स्तम्भ पत्रकारों का एक दल पुलिस अधीक्षक देवरिया से मिलने उनके ऑफिस पहुंचा जहां पर पुलिस अधीक्षक द्वारा पत्रकारों के साथ अपने मातहत अधिकारियों के सामने अभद्रता की ब्यवाहार की गई जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा चौथे स्तम्भ पत्रकारों को दलाल और अन्य अपमानजनक शब्दों द्वारा नवाजा गया, जिसका वीडियो किसी के द्वारा बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया है जो तेजी से वायरल हो रहा है जिसे लेकर मीडिया कर्मियों के बीच काफी रोष है अगर पुलिस अधीक्षक देवरिया सार्वजनिक रूप से अपने इस कृत्य की पत्रकारों से माफी नहीं मांगते हैं तो पत्रकार बंधु पुलिस अधीक्षक देवरिया के विरुद्ध एक बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

हिन्दू मुस्लिम भाईचारे की मिसाल बना मुस्लिम महासभा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हूसैन

राजसमन्द आमेट। मुस्लिम महासभा राजसमंद की आमेट टीम द्वारा हिंदू मुस्लिम भाईचारे की एक मिसाल कायम करते हुए महाशिवरात्रि के पावन उत्सव पर नगर पालिका आमेट द्वारा आयोजित जुलूस का आमेट के बस स्टैंड पर मुस्लिम महासभा के पदाधिकारियों द्वारा ठंडे पानी और शरबत, (जलपान) की व्यवस्था की गई एवं नगर पालिका आमेट के चेयरमैन श्रीमान कैलाश जी मेवाड़ा एवं सभी पार्षद गणों का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया, इस दौरान मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार, राजसमंद जिला उपाध्यक्ष तूफेल अहमद उस्ता,जिला उपाध्यक्ष फारुख पठान, मुस्लिम महासभा आमेट ब्लॉक अध्यक्ष इलाही बख्श कुरैशी, उपाध्यक्ष आजाद शाह,इशाक मोहम्मद उस्ता, आशिक हुसैन शाह,जिला खेल मंत्री फारुख शाह,तौसीफ रजा, रजाकमोहम्मद,शफीमोहम्मद, अल्लाहनुर रँगरेज आदि गणमान्य मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना खाएं इलायची, नहीं होगी कोई बड़ी परेशानी

भारतीय खाना मसालेदार होने के कारण दुनियाभर में मशहूर है, जिनमें कई मसालों को इस्तेमाल किया जाता हैं। इन मसालों में इलायची भी हैं जो अपने स्वाद के लिए ही नहीं बल्कि अपने कई गुणों के कारण प्रचलित हैं। आज हम आपको इलायची से जुड़े कई स्वास्थय लाभ के बारे में बताने जा रहें। इलायची के सेवन से बहुत-सी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों में मदद मिलती हैं।

1. इलायची को ज्यादातर सांसो की बदबू और हाजमा ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अगर आप इलायची को उबालकर सुबह चाय के साथ लेते है तो आपकी सांसों की बदबू की समस्या भी दूर हो जाएगी।
2. पेट की जलन, पेट फूलना और गैस की समस्या के दूर करने के लिए इलायची का सेवन करें।
3. रोजाना इलायची का सेवन करने से ब्लड सकुर्लेशन ठीक रहता है, जिससे आप अस्थमा और सांस संबंधी रोगों में भी राहत पा सकते हैं।
4. इलायची की तासीर गर्म होती है इसलिए इसको खाने से सर्दी जुकाम भी कम होता है। इलायची जमे कफ को बाहर निकालने में भी मदद करती है।
5. इलाइची में भरपूर मात्रा में जिंक और आयरन होता है जो शरीर में विटामिन सी और अन्य खून से जुड़ी समस्याओं को कम करती हैं।
6. इलायची में मौजूद मेगनीज शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है, जिससे शरीर को कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती हैं।
7. इलायची में पोटैशियम मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे खनिज पदार्थ मौजूद होते हैं जो ब्लड प्रैशर को कंट्रोल करते है।
8. इलायची को उबालकर इसकी चाय पीने से डिप्रेशन दूर होता है।

पिंपल्स से बचने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

पिंपल्स को दूर करने के लिए लड़कियां तरह-तरह की क्रीम लगाती हैं, लेकिन अपनी डाइट पर ध्यान नहीं देती। अगर अपनी डाइट में बदलाव करें तो उनके चेहरे पर पिंपल्स को काफी हद तक कम किया जा सकता है। पिंपल्स की समस्या हार्मोन की गड़बड़ी से भी हो सकती है। पिंपल्स से छुटकारा पाना है तो ये पांच फूड अपनी डाइट में करें शामिल-

पालक :
हमारे शरीर में जमे हुए विषाक्त पदार्थ और बैक्टीरिया ही मुंहासे का कारण बनते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों में क्लोरोफिल पाया जाता है जो पाचन तंत्र और रक्त प्रवाह से विषाक्त पदार्थों और बैक्टीरिया को निकालने का काम करता है।

हल्दी :
हल्दी शरीर की सूजन को दूर और त्वचा को साफ करती है। यह अंदर पनप रहे बैक्टीरिया और दूषित पदार्थों को एक्ने बनाने से रोकती है। आपको दिन भर में बस दो चम्मच हल्दी का सेवन करना है।

कोकोआ :
यह टेस्ट में काफी अच्छा होता है। इसमें शक्कर होती है जो त्वचा के लिये बेहद लाभकारी होता है। यह एक्ने से लडे में मददगार होता है तथा इसको खाने से खून भी साफ होता है और चेहरे पर जवानी आती है।

गाजर :
गाजर में विटामिन ए होता है जो कि बीटा कैरोटीन के रूप में पाया जाता है। अगर एक्ने से जल्दी ही छुटकारा पाना है तो, गाजर खाना शुरू कर दें।

सालमन मछली :
इस मछली को खाने से त्वचा खूबसूरत, दिल मजबूत और मूड अच्छा बनता है। इसमें ओमेगा 3, प्रोटीन होता है जिससे स्किन के अंदर कोलेजन बनता है।

जरूरत से ज्यादा करेंगे ये काम तो होगा नुकसान

हम अपने लाइफस्टाइल में बहुत सी चीजों को हद से ज्यादा करने लगते हैं। इसके पीछे यही सोच होती है कि शायद कुछ ज्यादा करने से इसका फायदा भी ज्यादा मिलेगा। आज हम आपको कुछ ऐसे ही कामों के बारे में बता रहे हैं जो जरूरत से ज्यादा करने से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। यह बात औरत और मर्द दोनों पर ही लागू होती है। आइए जानते हैं इन बातों के बारे में

1. एक्सरसाइज
अपनी सेहत को स्वस्थ्य रखने के लिए व्यायाम करना बहुत जरूरी है। इससे शरीर में स्फूर्ति भी बनी रहती है लेकिन ज्यादा फायदा पाने के चक्कर में ज्यादा टाइम लगाना नुकसानदेह हो सकता है। इससे शरीर में स्फूर्ति की जगह थकावट रहेगी और आपकी मांसपेशियों को भी इससे नुकसान हो सकता है।

2. नहाना
आपको अगर यह कहा जाए कि नहाने से भी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता सकता है तो आपको शायद अजीब लगेगा। ज्यादा समय तक पानी में पहने से सर्दी और जुखाम जैसी दिक्कतें आ सकती हैं। पानी में ठंड़क होती है और गर्मी के एकदम पानी के संपर्क में आने से नुकसान हो सकता है।

3. देर तक सोना
सारा दिन काम करने के बाद रात को सोना बहुत जरूरी है। थकावट को दूर करने के लिए 7-8 घंटे की नींद पर्याप्त होती है। सुबह देर तक सोते रहने से आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। देर तक सोते रहने से मोटापा, मधुमेह, उच्च और निम्न रक्त चाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस लिए जरूरी है कि ज्यादा सोने की बजाए उतनी नींद ही लें, जितनी जरूरत हो।

4. जागना
सोना और जागना ऐसी प्रक्रियाएं हैं जिसके बिना हमारी दिनचर्या अधूरी है। वैसे तो सुबह जल्दी उठना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है लेकिन देर तक जागते रहने से सिर दर्द, थकावट और भूख न लगने जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

पीपल से ब्यूटी-सेहत के फायदे

भारत में जहां पीपल के पेड़ को धार्मिक महत्व दिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ इसमें कई स्वास्थय संबंधी राज भी छिपे हैं। पीपल कई बीमारियों का इलाज करने में काफी सहायक है। जैसे- दांतो में दर्द, मुंह से बदबू आना, घाव को जल्दी भरे, खुजली, दमा, चेहरे की समस्या (झुर्रियां) आदि। पीपल के पेड़ में कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो आपके स्वास्थ लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

1. झुर्रियां
इसकी ताजी जड़ों को काट लें। इसके बाद जड़ों को पानी में भिगोकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे में लगाएं और सुख जाने पर गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने से यह आपको लंबे समय तक जवां बनाए रखता है।

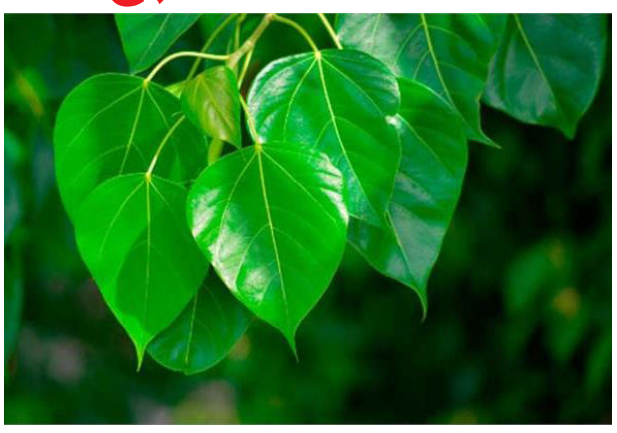

2. दांत
पीपल की 10 ग्राम छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च को बारीक पीसकर इसका पाऊडर बना लें। रोजाना इसका मंजन करने से दांतों की समस्या दूर हो जाती है। जैसे- दांतों का हिलना, दांतों में सड़न, बदबू और यह दांतों को सफेद बनाए रखता हैं।

3. दमा
पीपल की अंदर की छाल को निकाल कर इसका चूर्ण बना लें। नियमित रूप से इस चूर्ण का सेवन करने से सांस लेने में कोई तकलीफ नहीं होती।

4. खुजली
पीपल के 2-4 पत्ते चबाने से या फिर इसकी छाल का काढ़ा बनाकर पीने से दाद-खाज खुजली जैसी समस्या दूर हो जाती हैं।

5. फटी एड़ियां
अगर आप पीपल के पत्तों से निकला हुआ दूध अपनी फटी एडियों पर लगाएंगी तो यह उपचार आपकी एड़ियों को नरम बनाने में काफी कारगार है।

6. घाव
पीपल के पत्ते घाव को जल्दी भरने में भी काफी मददगार साबित होते हैं। अगर इसके पत्तों को गर्म करके घावों पर लेप लगाया जाए तो घाव जल्दी भरने लगता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

काम पर लौटीं करीना कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने 21 फरवरी को अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। प्रेग्नेंसी के आखिरी दिनों तक करीना काम कर रही थीं, वहीं डिलीवरी के 16 दिन बाद ही वह फिर काम पर लौट आई हैं। इसकी तस्वीरें करीना ने खुद शेयर की। अपनी इंस्टा स्टोरी में कई फोटोज शेयर की। करीना ने अपने मेकअप मैन की तस्वीर शेयर कर लिखा, लगता है आज @yiannitsapatori काम पर हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में करीना ने मेकअप के बाद अपनी सेल्फी शेयर की। इसके अलावा उन्होंने मेकअप चेयर पर बैठे हुए एक और तस्वीर भी शेयर की है। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि करीना ने हेयर कट भी करवाया है। वहीं करीना दूसरी बार मां बनने के बाद रिलैक्स करने के मूड में नहीं हैं। करीना की इन तस्वीरों को देखकर काम के प्रति उनके लगाव का अंदाजा लगाया जा सकता है।

राजकुमार राव का खुलासा

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव जल्द ही फिल्म 'रूही' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में अपने करियर को लेकर उन्होंने कई खुलासे किए। राजकुमार राव ने बताया कि उनके करियर के शुरूआती दौर में उन्हें कई फिल्मों से निकाल दिया जाता था। ऐसा इसलिए होता था क्योंकि उनसे ज्यादा प्रभावशाली एक्टर वह फिल्म करना चाहता था। इसके चलते राजकुमार के हाथ से फिल्म निकल जाती थी। खबरों के अनुसार राजकुमार ने कहा, इसे लेकर मुझे कोई नाराजगी नहीं है। मैंने बस यही सोचा कि शायद यह मेरे नसीब में नहीं। मैं चीजों को दिल में नहीं लेता। आगे बढ़ने में ही अपनी भलाई है। हर शख्स के लिए पर्याप्त काम है और जो मेरे लिए बना है, वह हमेशा मेरे लिए रहेगा। बॉलीवुड में अपने सफर पर बात करते हुए राजकुमार ने कहा, उन्होंने एक बेहतरीन सफर तय किया है। मुझे लगता है कि यह सबकुछ मेरी मां के आशीर्वाद से हो सका। मां ने मेरा सफर आसान बनाया। मां को मुझ पर काफी ज्यादा विश्वास था। जब भी मैं उन्हें कॉल करता था, वह कहती थीं कि चिंता मत करो, बस मेहनत करते रहो। सब कुछ ठीक होगा। फिल्म रूही को लेकर राजकुमार कहते हैं कि वह इसे लेकर चिंतित नहीं हैं। उन्हें मालूम है कि थिएटर्स दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी सावधानी बरत रहे हैं। राजकुमार ने कहा कि उनकी इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखना एक अनोखा और मजेदार अनुभव होगा।

जाह्नवी की फिल्म 'रूही' देख इमोशनल हुए बोनी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'रूही' रिलीज हो गई है। फिल्म को हार्दिक मेहता ने निर्देशित किया है। राजकुमार राव और वरुण शर्मा भी फिल्म में लीड रोल में हैं। जाह्नवी के पिता और प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने फिल्म देख ली है। बेटी की ये फिल्म देख वो काफी इमोशनल हो गए हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए बोनी कपूर ने कहा, यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म सच में काफी डरावनी है और फिल्म में बहुत से हंसाने वाले पल भी हैं। फिल्म के कंटेंट पर दर्शक या तो गुदगुदा रहे होंगे या फिर सुपरनैचुरल पावर में उनका यकीन और गहरा हो रहा होगा। बोनी ने कहा- जाह्नवी, राजकुमार राव और वरुण शर्मा रूही में शानदार है। जाह्नवी इतनी मेहनत कर रही हैं। वो हर फिल्म के साथ बेहतर होना चाहती हैं। उसकी मां (श्रीदेवी) को उस पर गर्व होता। बता दें कि जब जाह्नवी ने बोनी कपूर को फिल्म रूही के बारे में बताया था तो उन्होंने तुरंत हां करने के लिए कह दिया था। जाह्नवी ने बताया- पापा ने कहा कि ये हॉरर कॉमेडी फिल्म है। जो मिक्सर स्त्री में भी देखने को मिला था। रूही की कहानी एक चुड़ैल की है जिसकी शादी वाले घर पर नजर रहती है। जैसे ही दुल्हे सो जाता है वह दुल्हन को अपने साथ ले जाती है। इस बीच राजकुमार और वरुण, जाह्नवी को किडनैप कर लेते हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि ये किडनैपिंग उनकी जिंदगी बदलने वाली है क्योंकि जाह्नवी के अंदर आफजा की आत्मा होती है।